

शिष्यता के अनिवार्य तत्व

मूलभूत शिक्षा मसीही चरित्र का विकास पाठ 1: ईश्वरीय चरित्र का महत्व

विश्व के महान अगुवों के पतन के लिए एक ही कारण को दोष दे सकते हैं—ईश्वरीय चरित्र की कमी। उसके परिणामस्वरूप, वे स्वार्थी और कमजोर बन गये। ईश्वरीय चरित्र दिखने में कैसा होता है, और उसे कैसे विकसित कर सकते हैं? ये सभी मसीही लोगों के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न हैं—खासतौर पर जो अगुवें हैं। और जानने के लिए आगे पढ़ें!

“क्योंकि देह की साधना से कम लाभ होता है पर भक्ति सब बातों के लिये लाभदायक है, क्योंकि इस समय के और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा इसी के लिये है।”

1 तीमुथियुस 4:8

सुलैमान भी अपने पिता दाऊद के समान एक महान राजा बनना चाहता था, जो अपने राज्य में शांति, समृद्धि और गौरव लाना चाहता था। लेकिन, उसमें एक वस्तु की कमी थी— सुलैमान का हृदय संपूर्ण रीति से परमेश्वर के लिए समर्पित नहीं था। वो भलाई और बुराई, और अच्छाई और दुष्टता में फर्क जानता था— लेकिन उसने सही मार्ग को नहीं चुना।

सुलैमान बहुत जवान था जब उसका पिता, राजा दाऊद, उसे मरने से पहले अपने बिस्तर के पास बुलाता है। दाऊद अपने पुत्र को कहता है, “हियाव बांधकर पुरुषार्थ दिखा, और प्रभु अपने परमेश्वर के मार्गों पर चला करना”।

जब वो राजा बना, सुलैमान एक दर्शन देखता है जिसमें परमेश्वर उसे जो कुछ वो चाहता उसे देने का वादा करते हैं। आपने क्या मांगा होता? लम्बी आयु? धन—सम्पत्ति? एक शक्तिशाली राज्य? वे सभी बहुत ही ललचाने वाले हैं—लेकिन सुलैमान बुद्धि मांगता है। वो परमेश्वर को कहता है, “तू ने अपने दास को मेरे पिता दाऊद के स्थान पर राजा किया है, परन्तु मैं छोटा सा लड़का हूँ... तू अपने दास को अपनी प्रजा का न्याय करने के लिये समझने की शक्ति दे, कि मैं भले बुरे को परख सकूँ: क्योंकि कौन ऐसा है कि तेरी प्रजा का न्याय कर सकें?” (1 राजा 3:7-9)।

इस बात से प्रभु प्रसन्न हुआ कि सुलैमान ने ऐसा वरदान मांगा है। तब परमेश्वर ने उससे कहा, “इसलिए कि तू ने यह वरदान मांगा है, और न तो दीर्घायु, न धन और न अपने शत्रुओं का नाश मांगा है, परन्तु समझने के लिए विवेक का वरदान मांगा है इसलिए सुन, मैं तेरे वचन के अनुसार करता हूँ, तुझे बुद्धि और विवेक से भरा मन देता हूँ, यहां तक कि तेरे समान न तो तूझ से पहले कभी हुआ और न बाद में कभी होगा। फिर जो तूने नहीं मांगा, अर्थात् धन और महिमा, वह भी मैं तुझे यहां तक देता हूँ, कि तेरे जीवन भर कोई राजा तेरे तुल्य न होगा। फिर यदि तू अपने पिता दाऊद के समान मेरे मार्गों में चलता हुआ, मेरी विधियों और आज्ञाओं को मानता रहेगा तो मैं तेरी आयु को बढ़ाऊंगा। (1 राजा 3:10-14)।

सुलैमान भी अपने पिता दाऊद के समान एक महान राजा बनना चाहता था, जो अपने राज्य में शांति, समृद्धि और गौरव लाना चाहता था। लेकिन, उसमें एक वस्तु की कमी थी— सुलैमान का हृदय संपूर्ण रीति से परमेश्वर के लिए समर्पित नहीं था। वो भलाई और बुराई, और अच्छाई और दुष्टता में फर्क जानता था— लेकिन उसने सही मार्ग को नहीं चुना।

परमेश्वर की इच्छा है कि हम जैसे साधारण लोग उसके अदभुत योजना को संसार में पूरा करें— लेकिन परमेश्वर को सत्यता से सेवा करने के लिए हमारा हृदय उसके सामने सही होना चाहिए। यही ईश्वरीय चरित्र का तत्व है। हमारा चरित्र जाहिर होता है जब हमारा व्यवहार, हमारी सोच, हमारी नियत और हमारी चाहत मसीह—समान होता है। यह केवल सही और गलत में पहचान करने से कहीं ज़्यादा है, जो कि सुलैमान को भी मालूम था— यह अच्छाई का चुनाव करना है भले ही वो कितना भी असुविधाजनक हो। हमारे अंदर चरित्र का निर्माण होता है जब हम यीशु मसीह के स्वरूप में ढलते जाते हैं और संसार के समान कम होते जाते हैं।

सुलैमान के हृदय में, भले ही वो भलाई और दुष्टता में फर्क जानता हो, लेकिन उससे वह परमेश्वर के प्रेम और व्यवस्था से भटककर गलत

राह में जाने से बच नहीं पाया। वो एक पराये जाति की महिला से विवाह करता है जो उसे झूठे देवी-देवताओं की आराधना करने के लिए मना लेती है, वो लोभ और घमंड के आगे हार जाता है। अंत में, 700 पत्नियां और 300 रखैल उसके जीवन में परमेश्वर से अधिक शक्तिशाली बन जाते हैं, और उसके राज्य का विनाश हो जाता है।

इसी कारण मसीह के समान चरित्र महत्वपूर्ण है। एक धार्मिक जीवन का नाटक करना आसान है, लेकिन परमेश्वर हमारे हृदय को जानते हैं। जब जीवन में संघर्ष और कठिनाई आता है, वो मनुष्य जो सही चुनाव का अभ्यास करता है और परमेश्वर और अन्य लोगों को अपने से पहले रखता है, वो ही अच्छे चरित्र के अनुसार कार्य करता है। यह इसलिए होता है क्योंकि चरित्र का निर्माण पूरे जीवनभर परमेश्वर के सम्मान में किये चुनाव के द्वारा होता है। दिन में कई सौ पलों में हम या तो परमेश्वर और उसकी इच्छा को पहला स्थान देते हैं, या फिर हम खुद अपने आप को उंचा उठाते हैं। हम दूसरों के प्रति कुछ भला कर सकते हैं या हम अपने खुद के सुविधा को तृप्त कर सकते हैं। एक स्वार्थी दृष्टिकोण ही सारे बुराईयों और चरित्र में कमियों का जड़ है जो अगुवों को तबाह कर देता है। जब हम स्वार्थी या घमंडी होते हैं, ये हमारे अनाज्ञाकारिता और मूर्तिपूजा को प्रकट करता है।

यह सत्य है कि हम वही बन जाते हैं जिसकी हमें आदत है। हम सत्य को लगातार ईमानदार शब्दों को दोहराकर साबित करने की कोशिश करते हैं। हम आनंद को केवल सुनहरे मौसम में खुश होकर साबित नहीं करते, लेकिन जब हम कठिनाई से जूझते हुए भी परमेश्वर के प्रति धन्यवादी होते हैं तब उसे साबित करते हैं। सुलैमान के मामले में, उसकी बुद्धि उसे संतुष्ट करने या उसके राज्य को समृद्ध करने के लिए काफी नहीं थे। वो एक अच्छा राजा था, लेकिन उसे कभी भी उसके पिता दाऊद के समान प्रतिष्ठा नहीं मिलेगी, जिसका हृदय परमेश्वर हृदय के पीछे था।

दाऊद, भले ही कई बार पाप में गिरा, लेकिन उसने पश्चाताप किया और फिर से परमेश्वर के पास क्षमा के लिए बार-बार गया। दूसरी तरफ, सुलैमान ने झूठे देवी-देवताओं की आराधना की और महान और अदभुत परमेश्वर की उपेक्षा करता है जिसने उसे राज्य करने के लिए बुद्धि प्रदान की थी। हो सकता है कि उसमें परमेश्वर के पीछे चलने की इच्छा थी, लेकिन एक समय बाद वो भटक जाता है और परमेश्वर का पूरे हृदय से आज्ञा मानने से दूर चला जाता है। उसके हृदय में एक समस्या थी।

परमेश्वर हमारे चरित्र की परवाह करते हैं क्योंकि उसका अनंतकालीन मूल्य है। इसीलिए वह हम सबके लिए मार्ग बनाता है कि हम अपने चरित्र में बढ़ें। हम में से कोई भी धार्मिक पैदा नहीं हुआ है, लेकिन हम सीख सकते हैं। परमेश्वर हमें मौका देते हैं कि हम धार्मिक व्यवहार और मसीह के समान चरित्र को चुने।

यह सत्य है कि हम वही बन जाते हैं जिसकी हमें आदत है। हम सत्य को लगातार ईमानदार शब्दों को दोहराकर साबित करने की कोशिश करते हैं। हम आनंद को केवल सुनहरे मौसम में खुश होकर साबित नहीं करते, लेकिन जब हम कठिनाई से जूझते हुए भी परमेश्वर के प्रति धन्यवादी होते हैं तब उसे साबित करते हैं।

परमेश्वर हमारे जीवन में संघर्ष और चुनौतियों को होने देते हैं ताकि उससे हमारा चरित्र बेहतर होता जाये। यदि जीवन में कोई परेशानी नहीं है तो हमारे चरित्र को चुनौति नहीं मिलेगी! परमेश्वर अक्सर अन्य लोगों को हमारे जीवन के प्रतिबद्धता को चुनौति देने के लिए प्रयोग करते हैं। यह सोचना आसान है कि हम कितने दयालु और धीरजी इंसान हैं जब तक कि हम किसी ऐसे इंसान से नहीं मिलते जिसे बहुत ही असुविधाजनक समय में हमारी ज़रूरत पड़ती है!

इस बारे में उस समय सोचे जब आप अपना आपा खो देते हैं या उस समय जब आप सोचते हैं कि बिना किसी के देखे ऐसा कार्य करे जो कि आपत्तिजनक है। चरित्र यीशु मसीह के हृदय के साथ एक प्रतिबद्धता है। यह अपने से पहले परमेश्वर के मार्ग में रहने और अन्य लोगों की भलाई की प्रतिबद्धता है। यही केवल आशा है सच में परमेश्वर को खुश करने वाले जीवन को जीने का। हमारे चरित्र को बनाने में निवेश करना ही हमारा सबसे उत्तम चुनाव है— वो हमारा सबसे बहुमूल्य वस्तु है!

समीक्षा

- परमेश्वर के सेवा को पूरा करने के लिए, हम के बाहरी रूप से मात्र आज्ञा न माने, बल्कि हमारा हृदय परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने की चाहत रखना वाला हो।
- मसीही चरित्र अपने स्वयं से पहले परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने की अभिलाषा करता है, अन्य लोगों के बारे में अपने से पहले सोचता है, और सोच-समझकर ही गलत और सही का चुनाव करता है।
- मसीही गुण वह व्यवहार या कार्य है जो बाइबल अनुसार प्रशंसा के योग्य है, उसमें आत्मा के फल भी शामिल है।
- चरित्र का निर्माण प्रतिदिन सही चुनाव को करने और परमेश्वर को आदर देने और अन्य लोगों को अपने से पहले रखने से होता है।

आपके विचार

- जीवन में ऐसी क्या परिस्थितियां आई जिससे आप से सबसे बेहतर निकलकर आया? कौन सी परिस्थिति में आपके बुरे चरित्र सामने निकलकर आये? इनमें से कौन सा चरित्र समूह असलियत में 'आप' हैं?
- क्या होता है जब हम परमेश्वर की सेवा करने की इच्छा रखते हैं लेकिन हम में आत्म-नियंत्रण और ईमानदारी का अभाव है? कौन से प्रतिदिन के चुनाव है जो हमें आत्म-नियंत्रण के गुण का निर्माण करने में मदद करता है?
- जीवन में ऐसे क्षेत्र के बारे में सोचे जहां आपके जीवन में कमजोरी है और उसके बारे में प्रार्थना करें। परमेश्वर से जीवन की हर परिस्थिति में, चुनौति और चुनाव करने में सहायता मांगें ताकि आप अपने जीवन के क्षेत्र में उन्नति पायें। आने वाले हफ्तों में मसीह के समान चरित्र को पाने का यत्न करें।

बाइबल के हवालों को पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इण्डिया (बी.एस.आई.) से लिया गया है। इन हवालों को प्रकाशित करने की अनुमति ली गयी है। इसके सारे अधिकार आरक्षित हैं।

अन्य सभी सामग्री © 2019 ट्रांस वर्ल्ड रेडियो कनाडा है, और इसका उपयोग किसी भी तरह से किया जा सकता है, जब तक आप इसका उपयोग मसीह के लिए दुनिया तक पहुंचने के उद्देश्य से करते हैं और सामग्री के उपयोग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं। अधिक लाइसेंस विवरण देखें:

www.discipleshipessentials.org/licensing